Assignment

धूल (पाठ - 1)

प्रश्न. 1. गद्यांश को पढ़कर, दिए गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए :-

(i) धूल, धूलि, धूली, धूरी आदि की व्यंजनाएँ अलग-अलग हैं। धूल जीवन का यथार्थवादी गद्य, धूलि उसकी कविता है। धूली छायावादी दर्शन है, जिसकी वास्तविकता संदिग्ध है और धूरि लोक-संस्कृति का नवीन जागरण है। इन सबका रंग एक ही है, रूप में भिन्नता जो भी हो। मिट्टी काली, पीली, लाल तरह-तरह की होती है, लेकिन धूल कहते ही शरद के धुले-उजले बादलों का स्मरण हो आता है। धूल के लिए श्वेत नाम का विशेषण अनावश्यक है, वह उसका सहज रंग है।

प्रश्न: 1.) अनुच्छेद के पाठ तथा लेखक का नाम लिखिए।

2) धूल तथा धूलि के क्या भेद हैं?

3) धूल, धूलि, धूली तथा धूरि में क्या समानता तथा क्या विषमता है?

4) धूल से क्या स्मरण हो आता है? धूल का सहज रंग कौनसा है?

5) 'काला' शब्द का कौनसा विपरीत शब्द अनुच्छेद मे प्रयुक्त हुआ है?

6) लोक संस्कृति का जागरण क्या है?

7) 'आवश्यक' का विपरीत शब्द अनुच्छेद से छाँटकर लिखिए।